लोहिया संस्थान में तीन विभागों की ओपीडी शुरू

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में तीन और विभागों की ओपीडी शुरू हो गई है। ऐसे में अब संस्थान में गंभीर मरीजों के साथ-साथ सामान्य बीमारियों का भी इलाज मुमकिन हो गया है।

दरअसल, लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान को एम्स की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है। यहां सुपरस्पेशियलिटी विभागों के साथ-साथ जनरल डिपार्टमेंट का भी गठन किया गया है। एमबीबीएस पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए खोले गए करीब 18 विभागों का रन होना शुरू हो गया है। वहीं संस्थान प्रशासन ने तीन नए

क्लीनिक डिपार्टमेंट की ओपीडी को हरी झंडी दे दी है। इसमें जनरल सर्जरी, टीबी एंड चेस्ट व ईएनटी डिपार्टमेंट शामिल हैं। ऐसे में अब नाक, कान, गला, टीबी व फेफड़े के मरीजों को इलाज के लिए

नाक-कान, गले व टीबी के मरीज का भी अब इलाज, एमबीबीएस पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए खोले गए करीब 18 विभाग भी हुए शुरू

> तीन नए विभागों की ओपीडी शुरू हो गई है। ऐसे में संस्थान में मरीजों को अब सामान्य बीमारियों का भी बेहतर इलाज मुमकिन हो गया है।
>
> **डॉ. दीपक मालवीय,** निदेशक

दूसरे अस्पताल भटकना से निजात मिली। वहीं जनरल सर्जरी की सुविधा भी यहीं मुमकिन होगी। इसके लिए ईएनटी में एक, जनरल सर्जरी में तीन व टीबी चेस्ट में एक डॉक्टर की नियुक्ति की गई है।

इन विभागों का हुआ गठन

एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, बायोकेमेस्ट्री, फार्माकोलॉजी, फॉरेंसिक मेडिसिन, कम्युनिटी मेडिसिन, जनरल मेडिसिन, पीडियाट्रिक, ट्यूबर क्लोसिस एंड रेस्पाइरेटरी डिजीज, डरमाटोलॉजी, एंड लेप्रोस्कोपी, साइकेट्री, जनरल सर्जरी, आर्थोपेडिक, ईएनटी, ऑप्थोलमोलॉजी, ऑब्स एंड गाइनी, स्टेटिक्स व डेनटिस्ट्री विभागों का गठन किया गया है।

मेडिसिन के भी देखे जाने लगे मरीज : गत महीने संस्थान में जनरल मेडिसिन व आर्थोपेडिक विभाग की ओपीडी रन की गई थी। मेडिसिन में पांच व आर्थोपेडिक में तीन डॉक्टरों की नियुक्ति की गई है। वहीं जनवरी में बाल रोग व गाइनी की मातृ-शिशु रेफरल अस्पताल में ओपीडी शुरू की गई है।

लोहिया संस्थान में पहले कैंसर, न्यूरोलॉजी, न्यूरो सर्जरी, गैस्ट्रोलॉजी, गैस्ट्रोसर्जरी, यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, पीएमआर, किडनी ट्रांसप्लांट संबंधी मरीज देखे जाते थे। वहीं अब सामान्य मर्ज को भी इलाज होगा।